पाठ 14

वैभव एवं विलासिता का युग

(जहाँगीर, शाहजहाँ)

आइए सीखें

- जहाँगीर तथा शाहजहाँ के शासन काल में राज्य विस्तार एवं प्रमुख घटनाएँ।
- उपरोक्त शासकों के काल की उल्लेखनीय विशेषताएँ।

अकबर ने अपने शासन काल में साम्राज्य को संगठित एवं सुव्यवस्थित किया। जिससे उसके उत्तराधिकारी जहाँगीर और बाद के दो शासक शाहजहाँ और औरंगजेब को शासन चलाने में सुविधाएँ मिली। इन तीनों बादशाहों के शासनकाल में साम्राज्य का विस्तार हुआ। इस काल में जहाँगीर तथा शाहजहाँ ने साहित्य तथा कला के विकास को प्रोत्साहित किया। अनेक सुन्दर तथा वैभवशाली इमारतों का निर्माण हुआ। राजपरिवार तथा सामन्त वर्ग में विलासिता बढ़ी, अतः इस युग को ''वैभव एवं विलासिता'' का युग कहा जाता है।

■ जहाँगीर (1605 - 1627 ई.)

अकबर की मृत्यु के पश्चात उसका पुत्र जहाँगीर 1605 ई. में गद्दी पर बैठा। अकबर के समान वह कुशाग्र बुद्धि का व्यक्ति नहीं था। वह कला साहित्य तथा न्याय प्रेमी था। सिंहासन पर बैठते ही उसे अपने पुत्र खुसरों के विद्रोह का सामना करना पड़ा। जिसमें खुसरो परास्त हुआ और बन्दी बना लिया गया।

जहाँगीर के शासन काल की प्रमुख घटनाएँ

मेवाड़, कांगड़ा एवं अहमदनगर- महाराणा प्रताप की मृत्यु के पश्चात अमरसिंह मेवाड़ का राणा बना। उसने मुगलों से संघर्ष जारी रखा। जहाँगीर ने बहुत उदार शर्तों पर मेवाड़ से सन्धि करके मुगलों और मेवाड़ के बीच चले आ रहे लम्बे संघर्ष को समाप्त कर दिया। कुछ इतिहासकारों का मत हैं कि ये उदारता इसलिए भी हो सकती है, क्योंकि अपने पिता सम्राट अकबर के विरूद्ध विद्रोह के समय जहाँगीर ने मेवाड़ में शरण ली थी।

पंजाब में कांगड़ा के दुर्ग पर राजपूतों का अधिकार था। यहाँ पर प्रसिद्ध ज्वाला देवी का मंदिर है जहाँगीर ने सेना भेजकर वहाँ विजय प्राप्त की।

शिक्षण संकेत

- शिक्षक पूर्व में पाठ का अध्ययन कर कक्षा में कहानी के रूप में सुनाएँ।
- मानचित्र की सहायता से मुगलों के राज्य विस्तार को स्पष्ट करें।
- इस पाठ के अन्तर्गत आने वाले काल के वैभव को दर्शाने वाले चित्र छात्रों को दिखाकर पाठ की अवधारणा को स्पष्ट करें।

अकबर ने चाँद बीवी को परास्त करके अहमदनगर पर विजय प्राप्त की थी और उसे अपने साम्राज्य में शामिल कर लिया था, परन्तु यह विजय अल्पकालीन सिद्ध हुई। जहाँगीर के समय में अहमदनगर का रक्षक मलिक अम्बर था जो कि प्रसिद्ध योद्धा तथा कुशल राजनीतिज्ञ था। जहाँगीर ने अहमदनगर पर विजय प्राप्त करने का कार्य शाहजादा खुर्रम को सौंपा। खुर्रम ने मलिक अंबर को संधि करने के लिए विवश कर दिया। इस सफलता के लिये जहाँगीर ने शाहजादा खुर्रम को शाहजहां की उपाधि प्रदान की। फिर भी मलिक अंबर की मृत्यु तक अहमदनगर वास्तविक रूप से जीता नहीं जा सका।

सिक्खों से शत्रुता- सिक्खों के गुरू अर्जुनदेव से जहाँगीर क्रोधित था क्योंकि उन्होंने विद्रोह के समय खुसरो की आर्थिक सहायता की थी। जहाँगीर ने गुरू अर्जुनदेव पर आर्थिक दण्ड लगाया, जिसे देने से इंकार करने पर गुरु को मौत के घाट उतार दिया गया। इस घटना से शांतिप्रिय सिक्खों को चोट पहुँची और वे मुगल शासकों के विरोधी बन गए।

अफगानों से संघर्ष- अफगानिस्तान के कंधार प्रान्त को ईरान के बादशाह ने जीत लिया था (जो मुगलों के अधीन था) इससे मुगल साम्राज्य को हानि हुई क्योंकि पश्चिम एशिया के साथ भारत के व्यापार में कंधार नगर का बड़ा महत्व था। जहांगीर ने कंधार पर विजय प्राप्त करने के लिये प्रयास किये किन्तु वह सफल नहीं हो सका।

खुर्रम का विद्रोह- जहाँगीर के पुत्र खुर्रम (शाहजहाँ) को इस बात की चिन्ता हुई कि कहीं उसके भाइयों में से कोई अन्य जहाँगीर का उत्तराधिकारी न बना दिया जाए, इसलिए उसने पिता के विरूद्ध विद्रोह कर दिया। जहाँगीर ने महाबत खान को भेजकर विद्रोह का दमन किया।

पुर्तगाली एवं अंग्रेजों से सम्बन्ध- पुर्तगाली भारत में व्यापार करके सन्तुष्ट नहीं थे। उन्होंने समुद्री डकैती आरम्भ कर दी थी। वे भारतीय जहाजों पर आक्रमण करने लगे थे। इससे जहाँगीर अत्यधिक क्रोधित हुआ। जब तक पुर्तगालियों ने अपनी भूल को स्वीकार नहीं कर लिया तब तक मुगल राज्य के व्यापारियों के साथ उन्हें व्यापार करने की आज्ञा नहीं दी गई।

जहाँगीर के शासनकाल में इंग्लैण्ड के सम्राट ने सर टामस रो और केप्टन हाकिन्स को मुगल दरबार में अपना राजदूत बनाकर भेजा। सर टामस रो ने जहांगीर के साथ व्यापारिक सन्धि करने का प्रयास किया। केप्टन हाकिन्स तीन वर्ष आगरा में रहा। उसने अपने यात्रा विवरण में मुगल दरबार का सुन्दर चित्रण किया है।

कला साहित्य तथा न्याय प्रेमी- जहाँगीर साहित्य में रुचि रखता था। उसने अपने संस्मरण 'तुजके जहांगीरी' में लिखे, जिसमें उसकी सुन्दर फारसी शैली देखी जा सकती है। वह चित्रकला का अच्छा ज्ञाता था। उसके दरबार में श्रेष्ठ चित्रकार थे।

जहाँगीर के शासन की महत्वपूर्ण उपलब्धि उसकी न्याय व्यवस्था थी। सामान्य जनता को सही न्याय न मिलने पर सम्राट से सीधे सम्पर्क स्थापित करने के लिए उसने राजमहल की दीवार पर सोने की जंजीर वाली घंटी लगवा दी थी।

जहाँगीर ने लिखा- इन्साफ की सुस्ती और तरफदारी देखे तो वे मजलूम लोग (पीड़ित) इस जंजीर को हिला दिया करें ताकि मैं उनकी आवाज सुनकर खुद फरियाद सुन सकूँ।

जहाँगीर अत्यधिक मद्य प्रेमी था। नशे की आदत ने उसे विलासी तथा सुस्त बना दिया था। शनैः शनैः साम्राज्य पर उसकी पकड़ ढीली पड़ती गई। सम्राट की विलासिता का प्रभाव राज दरबार पर भी पड़ा।

नूरजहाँ का शासन पर प्रभाव- 1611 ई. में जहाँगीर ने नूरजहाँ से विवाह किया। वह सुन्दर और बुद्धिमान स्त्री थी। उसने राजदरबार को सुव्यवस्थित करने के लिए नियम निर्धारित किए। उसने वेशभूषा और आभूषण के नए-नए नमूने प्रचलित किए। गुलाब के इत्र की अविष्कारक नूरजहाँ ही मानी जाती है। नूरजहाँ में राज्य चलाने की अपूर्व क्षमता थी। प्रत्येक महत्वपूर्ण कार्य में जहाँगीर उसकी मदद लिया करता था। आगे चलकर जहाँगीर की विलासिता के फलस्वरूप वह इतनी शक्तिशाली हो गई थी कि राज्य के सिक्कों एवं शाही फरमानों में जहाँगीर के साथ उसका नाम भी लिखा जाने लगा था। सन् 1627 ई. में जहांगीर की मृत्यु हो गई।

■ शाहजहाँ (1628-1657)

जहाँगीर की मृत्यु के पश्चात उसका तृतीय पुत्र शाहजहाँ (खुर्रम) 1628 ई. में गद्दी पर बैठा। शाहजहाँ के युग की सम्पन्नता, शाही वैभव, कला तथा साहित्य की प्रगति आदि चहुँमुखी विकास को देखकर इस काल को मुगल काल की सम्पन्नता (वैभव) का काल कहा जाता है।

शाहजहाँ के शासन काल की प्रमुख घटनाएँ

बुन्देलखण्ड के जुझारसिंह का विद्रोह- जुझारसिंह बुन्देलखंड का नरेश था। उसने शाहजहाँ के विरूद्ध विद्रोह कर दिया पर जुझारसिंह को शाहजहाँ से सन्धि करनी पडीं। परन्तु कुछ समय पश्चात शाहजहाँ के आदेशों को न मानने के कारण पुनः जुझारसिंह का दमन किया गया।

शाहजहाँ की दक्षिण नीति- दक्षिण क्षेत्र मुगलों के लिए कठिनाइयों का क्षेत्र बना हुआ था। जहाँगीर के समय अहमदनगर, गोलकुण्डा तथा बीजापुर मुगलों के प्रभाव क्षेत्र में आ गए थे। परन्तु यह पुनः स्वतन्त्र हो गए थे। शाहजहाँ ने अहमदनगर के राज्य को जीत लिया। गोलकुन्डा तथा बीजापुर ने मुगलों का आधिपत्य स्वीकार कर लिया और शांति बनाये रखने के लिए सन्धि कर ली।

शाहजहाँ ने अपने पुत्र औरंगजेब को दक्षिण का सूबेदार नियुक्त किया। औरंगजेब ने गोलकुंडा और बीजापुर के राज्यों को जीतकर मुगल साम्राज्य में मिलाने का प्रयास किया परन्तु उसे पूर्ण सफलता प्राप्त न हो सकी।

उत्तर पश्चिम नीति- शाहजहाँ ने उत्तर पश्चिम सीमा को सुरक्षित करने के लिए मध्य एशिया के बल्ख और बदख्शाँ को अपनी सेनाएँ भेजी। उसने ईरान के बादशाह से कंधार को पुनः जीत लिया था, परन्तु कुछ समय पश्चात कंधार उसके हाथों से पुनः निकल गया।

पुर्तगालियों से संघर्ष- हुगली क्षेत्र पुर्तगालियों का उपनिवेश था। शाहजहाँ का पुर्तगालियों से संघर्ष हुआ। पुर्तगाली इस स्थान को आधार बनाकर बंगाल की खाड़ी में समुद्री डकैती करते थे। मुगल सेनाओं ने उन्हें हुगली क्षेत्र से बाहर निकाल दिया।

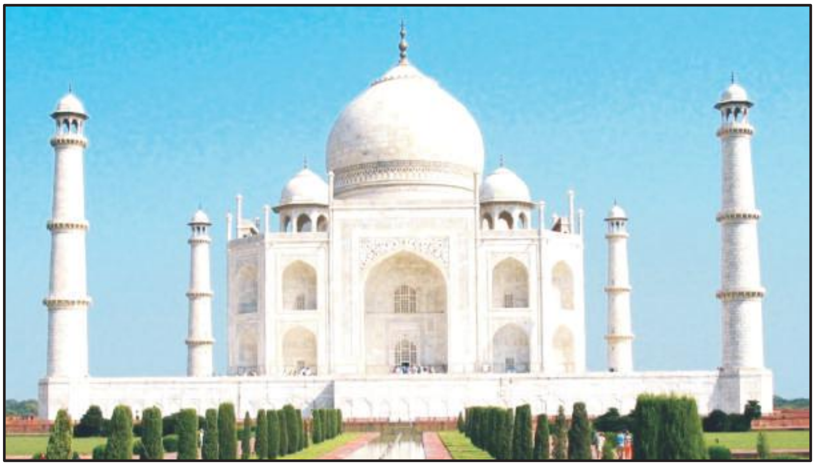

चित्र क्र.-36: ताजमहल

शाहजहाँ की स्थापत्य कला- शाहजहाँ के शासन काल में स्थापत्य कला में प्रगति हुई। शाहजहाँ द्वारा निर्मित दिल्ली का लाल किला तथा दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, जामा मस्जिद, ताजमहल आदि स्थापत्य कला के उत्कृष्ट उदाहरण है।

शाहजहाँ के नाम के साथ उसके रत्न जड़ित मयूर सिंहासन का उल्लेख आता है। मयूर सिंहासन में जड़ा विख्यात कोहिनूर हीरा उसकी शान-शौकत और ऐश्वर्य का प्रतीक था।

मयूर सिंहासन बनवाने में सात वर्ष लगे थे। इसमें हीरे जवाहरात के साथ कोहिनूर हीरा भी जड़ा था। यह सिंहासन दो मयूरों की आकृति से अलंकृत था। 1739 ई. में ईरानी आक्रमणकारी नादिरशाह यह सिंहासन अपने साथ ले गया था।

शाहजहाँ के अंतिम वर्ष

सन् 1657 में शाहजहाँ बीमार पड़ गया। चिकित्सकों को उसके बचने की आशा नहीं रही। उसकी मृत्यु की अफवाहें फैल गईं। उसके चारों पुत्रों - दारा, शुजा, औरंगजेब और मुराद के बीच उत्तराधिकार के लिए युद्ध छिड़ गया। चारों प्रौढ़वय के थे और उन्हें सैनिक और नागरिक कार्यों का पर्याप्त अनुभव था। इस कारण मुगल साम्राज्य के सिंहासन पर अधिकार करने की चारों की महत्वाकाँक्षा थी। उत्तराधिकार के संघर्ष में औरंगजेब ने अपने तीनों भाइयों का अंत करके सिंहासन पर अधिकार कर लिया। उसने अपने पिता सम्राट शाहजहाँ को कैद कर लिया। शाहजहाँ 9 वर्ष तक आगरे के किले में कैद रहा। सन् 1666 में शाहजहाँ की मृत्यु हो गई।

अभ्यास प्रश्न

1. निम्नलिखित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए–

(1) अपने शासन काल के आरंभ में जहाँगीर को किसके विद्रोह का सामना करना पड़ा—

(अ) खुसरो (ब) खुर्रम

(स) सलीम (द) शुजा

(2) ताजमहल का निर्माण कराया था-

(अ) अकबर ने (ब) जहाँगीर ने

(स) शाहजहाँ ने (द) औरंगजेब ने

2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए–

(1) सर टामस रो और कैप्टन हाकिन्स ----------- के शासनकाल में भारत आए थे।

(2) मयूर सिंहासन में ----------- जड़ा हुआ था।

(3) ----------- व्यापारी समुद्री डकैती किया करते थे।

(4) ----------- अहमदनगर राज्य का प्रसिद्ध योद्धा और कुशल प्रशासक था।

3. लघु उत्तरीय प्रश्न–

(1) जहाँगीर ने गुरु अर्जुनदेव का वध क्यों करवाया था?

(2) सामान्य जनता को सही न्याय मिल सके,इस उद्देश्य से जहाँगीर ने क्या व्यवस्था का थी?

(3) नूरजहाँ का शासन पर क्या प्रभाव था?

(4) शाहजहाँ द्वारा निर्मित प्रमुख इमारतों के नाम लिखिए।

4. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न–

(1) जहाँगीर और शाहजहाँ के काल को वैभव एवं विलासिता का युग क्यों कहा जाता है?

परियोजना कार्य

- शाहजहाँ के शासनकाल की प्रसिद्ध इमारतों के चित्र एकत्रित करके उनकी विशेषताओं के विषय में कक्षा में चर्चा कीजिए।